

स्त्री. (देश.) खाकी रंग की एक प्रकार की चिड़िया।

जाँच स्त्री. (देश.) जाँचने की क्रिया या भाव प्रयो.
जाँच पड़ताल- खोजबीन, छानबीन।

जाँचक पुं. (देश.) दे. जाचक या चायक।

जाँचकता स्त्री. (देश.) दे. जाचकता या याचकता।

जाँचना स.क्रि. (देश.) किसी को जाँच करना, किसी की गलत, ठीक, योग्यता-अयोग्यता आदि का निर्णय करना।

जाँझ स्त्री. (देश.) तेज हवा के साथ वर्षा।

जाँझा पुं. (देश.) दे. जाँझ।

जाँत पुं. (देश.) जाँता, आटा पीसने की चक्की।

जाँता पुं. (देश.) आटा पीसने की पत्थर की बड़ी चक्की 2. सुनारों, चक्की, तारकशों का एक औजार।

जाँ पनाह पुं. (फा.) दे. जहाँपनाह।

जाँबाज पुं. (फा.) प्राण न्योछावर करने वाला, साहसी, जान की बाजी लगा देने वाला।

जाँवत अव्य. (तद्.) सब।

जा स्त्री. (तत्.) 1. माता, माँ 2. देवरानी वि. (फा.) उत्पन्न करने वाला सर्व. (देश.) जो वि. (फा.) मुनासिब, उचित, वाजिब प्रयो. बेजा- नामुसिब, अनुचित।

जाइफर पुं. (देश.) दे. जायफल।

जाइफल पुं. (देश.) दे. जायफल।

जाई स्त्री. (देश.) कन्या, बेटी, पुत्री।

जाईदा वि. (फा.) जना हुआ, जात।

जाउर पुं. (देश.) चावल, खीर।

जाकड़ पुं. (देश.) शर्त पर लाया गया माल प्रयो.
जाकड़ बही- जाकड़ पर दिए माल का हिसाब किताब।

जाकिट स्त्री. (अं.) दे. जाकेट।

जाकेट स्त्री. (अं.) कुर्ती या सदरी की तरह पहनने वाला एक वस्त्र।

जाग पुं. (तद्.) यज्ञ स्त्री. (फा.) जगह, स्थान, ठिकाना (देश.) जगाने की क्रिया या भाव पु. काले रंग का कबूतर (अर.) जहाज का भंडार रक्षक।

जागत पुं. (तद्.) जगती छंद।

जागता वि. (तद्.) 1. सजग, सचेत 2. चमत्कारिक, तेजस्वी।

जागतिक पुं. (तत्.) जगत संबंधी, सांसारिक।

जागना अ.क्रि. (तद्.) 1. सोकर उठना, नींद त्यागना 2. जाग्रत अवस्था में होना, संजग होना 3. समृद्ध होना 4. प्रज्वलित होना 5. प्रसिद्ध होना अ.क्रि. यज्ञ करना।

जागर पुं. (तत्.) जागरण, जागने की क्रिया।

जागरक वि. (तत्.) चैतन्य, जाग्रत।

जागरण वि. (तत्.) निद्रा का अभाव, जागना 2. किसी विशेष अवसर पर इष्टदेव का भजन करते हुए सारी रात जागना।

जागरा पुं. (तत्.) दे. जागरण।

जागरित पुं. (तत्.) 1. नींद का न होना, जागरण 2. वेदांत के अनुसार एक अवस्था जिसमें मनुष्य के इंद्रियों द्वारा सब प्रकार के कार्यों का अनुभव होता रहता है।

जागरी वि. (तद्.) दे. जागरिता।

जागरु पुं. (देश.) 1. भूसा आदि मिला हुआ अन्न जो अच्छा अन्न निकालने के बाद रह जाता है 2. भूसा।

जागरूक पुं. (तत्.) जाग्रत, चैतन्य वि. 1. जागता हुआ 2. निद्रारहित 3. सावधान।

जागर्ति स्त्री. (तद्.) 1. जागृति, जागरण 2. चेतनता।

जागी पुं. (देश.) भाट।

जागीर पुं. (फा.) 1. जमीन या गाँव आदि जो राजा, नवाब आदि किसी की सेवा के पुरस्कार के रूप में प्रदान करते थे 2. भूमि, जमीन-जायदाद मुहा. जागरी खिदमती- सेवा के बदले मिली जागीर; जागीर मनसबी- किसी पद के कारण प्राप्त जागीर।